

धोरण - 7 हिन्दी

लिखित कसोटी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(1) कौन-कौन सी नदियाँ सागर में मिलती हैं ?

➤ गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी आदि नदियाँ सागर में मिलती हैं।

(2) हरियाली कहाँ-कहाँ दिखाई देती है ?

- वर्षाऋतु में धरती पर हरी घास उगने से मैदान हरे हो जाते हैं। खेतों हरी फसलें लहलहाती हैं। पेड़-पौधे हरियाली से झूम उठते हैं। बागों और जंगलों में हरियाली छा जाती हैं। सूखे पर्वत भी हरियाली से निखर उठते हैं। इस प्रकार वर्षाऋतु में धरती पर चारों ओर हरियाली दिखाई देती है।

(3) सेठ ने कुत्ते को क्यों मुक्त कर दिया ?

➤ सेठ के यहाँ चोरों ने डाका डाला था। वे माल लेकर भागे तो कुत्ते ने चोरों का पीछा किया। चोर दूर जंगल में सारा माल जमीन में गाड़कर चले गए। कुत्ता सेठजी को जंगल में ले गया और भौंक-भौंककर वह जगह बताने लगा जहाँ चोरों ने माल गाड़ा था। थोड़ा खोदने पर ही चुराया गया सारा सामान मिल गया। सेठजी की खुशी का पार न रहा। कुत्ते की वफादारी पर मुग्ध होकर उन्होंने कुत्ते को मुक्त कर दिया।

(4) माला में कौन-कौन से फूल एक रूप हैं ?

➤ बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली आदि तरह-तरह के फूल माला में गुंथकर एकरूप हो जाते हैं।

(5) साधु कैसा होना चाहिए ?

- साधु सूप के जैसा होना चाहिए। सूप अच्छे अनाज को अपने पास रख लेता है और कचरे को बाहर फेंक देता है। उसी तरह साधु को सारयुक्त वस्तु ग्रहण करनी चाहिए और निस्सार वस्तु छोड़ देनी चाहिए।

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए:

(1) चिड़ियाँ कब खुशी के गीत गाती हैं

➤ चिड़ियाँ कब खुशी के गीत गाती हैं?

(2) जल ही जीवन है

➤ जल ही जीवन है।

(3) नर्मदा तापी साबरमती महिसागर आदि गुजरात की बड़ी नदियाँ हैं

➤ नर्मदा, तापी, साबरमती, महिसागर आदि गुजरात की बड़ी नदियाँ हैं।

(4) वाह कितना सुन्दर दृश्य है

➤ वाह ! कितना सुन्दर दृश्य है !

(5) सेठ बोले कुत्ते भाई जाओ तुम अपने मालिक
लाखा बनजारा के पास तुम मुक्त हो

➤ सेठ बोले, “कुत्ते भाई, जाओ, तुम अपने मालिक
लाखा बनजारा के पास । तुम मुक्त हो ।”

3. नीचे दिए शब्द के आधार पर पहेली बनाइए :

(1) कागज

- तीन अक्षर का मेरा नाम,
कलम करती मेरा काम।
आदि कटे तो 'गज' बन जाऊँ।
अंत कटे तो 'काग' कहलाऊँ।

(2) जीवन

- तीन अक्षर का मेरा नाम,
हर प्राणी में मेरा धाम।
आदि कटे तो 'वन' बन जाऊँ।
अंत कटे तो 'जीव' कहलाऊँ।

4. मोबाइल का उपयोग जीवन में 'लाभदायी' है या 'हानिकारक'? क्यों ? अपने विचार लिखिए।

- मोबाइल विज्ञान का अद्भुत चमत्कार है। आजकल लोगों के लिए मोबाइल किसी वरदान से कम नहीं है। टेलीफोन को सदा अपने साथ रखना संभव नहीं था। 'पी.सी.ओ.' से बड़ी राहत मिली थी, पर उसमें भी समस्या थी। 'पी.सी.ओ.' बूथ शहर में ही होते थे, गाँव में नहीं। मोबाइल ने सारी समस्याएँ हल कर दी। मोबाइल से जब चाहें और जहाँ से चाहें हम बातें कर सकते हैं।

➤ जिसे चाहो, उसे फौरन सूचना-समाचार या संदेश पहुँचा दो। किसी से मिलना हो, तो बटन दबाकर मिलने का समय निश्चित कर लो। अपने गाँव-शहर या देश में ही नहीं, दुनिया के किसी भी कोने में रहनेवाले अपने मित्र या स्वजन से वार्तालाप करने का आनंद हमें मोबाइल पर मिल सकता है। मोबाइल ने वार्तालाप करनेवालों की दूरियाँ मिटा दी हैं। परंतु मोबाइल से बेलगाम लगाव अच्छा नहीं है। मोबाइल पर देर तक बातें करने से कान और दिमाग की बीमारियाँ हो सकती हैं। इससे हमारा कीमती समय बरबाद होता है।

➤ कभी-कभी तो मोबाइल पर अनावश्यक बातें करते रहने से हमारा समय व्यर्थ बरबाद होता है और आवश्यक काम नहीं हो पाते। मोबाइल के अधिक उपयोग से धन का अपव्यय भी होता है। इसलिए मोबाइल का आवश्यक और सीमित उपयोग ही करना चाहिए।

5. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों को कोष्ठक में उचित स्थान पर रखिए:

(भारत, ईमानदारी, दूध, हिमालय, तेल, भीड़, नदी, पर्वत, नर्मदा, पेड़, बुराई, सेना, झुंड)

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	द्रव्यवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	समूहवाचक संज्ञा
भारत	नदी	दूध	ईमानदारी	झुंड
हिमालय	पर्वत	तेल	बुराई	सेना
नर्मदा	पेड़			भीड़

Thanks



For watching